(Manipur), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), and Shri Sujeet Kumar (Odisha).

Demand to include Chandauli district of Uttar Pradesh under Bansagar Irrigation project

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश): उपसभापति महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, उत्तर प्रदेश का जनपद चंदौली कृषि प्रधान जनपद है, जिसे 'धान का कटोरा' भी कहा जाता है। चंदौली जनपद 'एक जिला, एक उत्पाद', यानी ओडीओपी में काले चावल के लिए चयनित है। भारत सरकार द्वारा चंदौली जिले को आकांक्षी जिले के रूप में चयनित किया गया है, किंतु सिंचाई के उचित प्रबंध न होने के कारण किसानों को धान की रोपाई में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महोदय, जनपद चंदौली में सिंचाई हेतु पानी के समुचित प्रबंधन के लिए केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना में चंदौली को शामिल किया जाना किसानों के लिए अति आवश्यक है।

महोदय, चंदौली जनपद में धान की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है। किसानों को सिंचाई हेतु नारायणपुर पम्प कैनाल से पानी की आपूर्ति संभव नहीं है, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूं कि केंद्र सरकार की बाणसागर परियोजना द्वारा संचालित नहर को जरगो बाँध से मूसाखाँड़ बांध, नौगढ़ चंदौली से जोड़ दिया जाए तो लतीफ शाह बैराज से कर्मनाशा लिफ्ट नहर के माध्यम से पूरे चंदौली जिले को सिंचित किया जा सकता है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Darshana Singh: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh) and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Rising cases of Sudden Cardiac Arrests (SCAs) among Indian Youth

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र) : सर, मैं आपकी आभारी हूँ कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। सर, आज सबेरे ही जब मैं पार्लियामेंट में आने की तैयारी कर रही थी, तो मुझे पता चला कि मेरे परिवार से परिचित एक 36 साल के युवा को क्रिकेट खेलते-खेलते अचानक ही हार्ट अटैक आया तथा उनकी मौत हो गई और आज ही के दिन मुझे यह मुद्दा यहाँ रखने को मिल रहा है, तो मैं आपकी खास आभारी हूं।

सर, इंडिया में सडेन हार्ट अटैक्स के जो राइजिंग केसेज हैं, वह एक चिंता का विषय है और मैं आपके जरिए हेल्थ मिनिस्ट्री से कहना चाहूंगी कि इस पर थोड़ी ज्यादा रिसर्च कर, एक डेटा बनाकर कि जो पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस हो रही हैं, जो मेडिसिंस प्रेस्क्राइब की गई हैं, जो